Centre for Teacher Accreditation

सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (CENTA) स्टैंडर्ड्स

संस्करण 3.0

जुलाई, 2018 में प्रकाशित

सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन
(CENTA) - स्टैंडर्ड- 2018

संक्षिप्त विवरण

सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (CENTA) का उद्देश्य शिक्षकों को सशक्त बनाना और उच्च गुणवत्ता प्रमाणन के माध्यम से शिक्षकों के वृत्तिक विकास को उत्प्रेरित करना है जो शिक्षकों के व्यावसायिक विकास का मार्ग निर्मित करने में सहायता कर सकता है और उत्कृष्ट शिक्षकों को बड़े अवसरों से जोड़ता है।

सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (CENTA) के स्टैंडर्ड शिक्षकों के लिए उनके व्यावसायिक विकास (करियर) के विभिन्न चरणों में उनसे अपेक्षित योग्यताओं का सुपरिभाषित संग्रह हैं, जिन्हें सख्त प्रक्रिया के माध्यम से विकसित किया गया है और जिनमें आवश्यकतानुसार निरंतर संशोधन की संभावना बनी रहती है।

सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन , सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन ***(CENTA) प्रमाणपत्रों के तीन स्तरों के अनुरुप*** हैं:

a) **स्तर**-***1: नये शिक्षक***-सामान्यतया, उन शिक्षकों के लिए प्रासंगिक है जो अपने व्यावसायिक जीवन की प्रारम्भिक अवस्थाओं में हैं या जिन्हें अपना व्यावसायिक जीवन (कैरियर) अभी प्रारम्भ करना है।

b) **स्तर**-***2: अनुभवी शिक्षक***- सामान्यतया, 3-10 वर्ष का अनुभव प्राप्त कर चुके ऐसे शिक्षकों के लिए प्रासंगिक है, जो अपने स्वयं के अनुभवों और अन्य जानकारियों के आधार पर अपने शिक्षण को समृद्ध करने में सक्षम हैं।

c) **स्तर**-***3: वरिष्ठ शिक्षक***- सामान्यतया, 10 से अधिक वर्षों का अनुभव प्राप्त कर चुके शिक्षकों के लिए प्रासंगिक है; ऐसे शिक्षक अक्सर अपने चुने हुए विषय / ग्रेड स्तर में विशेषज्ञ शिक्षक या प्रशिक्षक (कोच) की भूमिका ग्रहण करने की स्थिति में हो सकते हैं, जहां वे विद्यालय में या उससे आगे अन्य शिक्षकों या नेतृत्वकर्ता का प्रतिपालन करने (परामर्श प्रदान करने) का कार्य करते हैं।

सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (CENTA) स्टैंडर्ड्स में सम्मिलित हैं : (A) ' दक्षताएँ ', और (B) ' मनोभूमियाँ'।

सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (CENTA) स्टैंडर्ड्स के ***'दक्षताएँ '*** खंड में शिक्षकों के लिए दक्षताओं की तीन श्रेणियां सम्मिलित होती हैं:

a) **तकनीकी योग्यताएँ**: शिक्षण व्यवसाय हेतु विशिष्ट योग्यताएँ।

b) वृत्तिक **योग्यताएँ**: व्यावसायिक वातावरण में प्रभावी आदान-प्रदान (अंतर्क्रियाओं) के लिए प्रासंगिक योग्यताएँ।

c) **बुनियादी योग्यताएँ**: व्यक्ति की मूलभूत **योग्यताएँ।**
प्रत्येक श्रेणी में कई ***'योग्यताएँ'*** सम्मिलित होती हैं, जिनमें प्रत्येक ***'योग्यता'* के** साथ एक या एक से अधिक ***'पहलू'*** संबंद्ध होते हैं। प्रत्येक पहलू के लिए, स्तर-, स्तर-2 और स्तर-3 (L1, L2 और L3) में से प्रत्येक के लिए संबंधित स्तर के शिक्षकों से योग्यता संबंधी अपेक्षाओं को उजागर करने वाले विशिष्ट ***'विवरणकों' के*** माध्यम से स्टैंडर्ड्स को परिभाषित किया गया है।

सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (CENTA) का '**मनोभूमियाँ**' खंड दृष्टिकोणों और मान्यताओं को सम्मिलित करता है।

सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (CENTA) स्टैंडर्ड्स का 'योग्यताएँ' खण्ड, सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (CENTA) प्रमाणन और सूक्ष्म-प्रत्यायकों (माइक्रो-क्रेडेंशियल्स)[1] के लिए आधार निर्मित करता है, जबकि यदि वर्तमान में देखा जाए तो 'मनोभूमियाँ' खण्ड सीमित और प्रयोगात्मक तरीके से व्यवहृत किया जाता है।

योजना शास्त्र

सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (CENTA) स्टैंडर्ड्स का विकास ' **योजना शास्त्र**' द्वारा निर्देशित है जिसके मूल में; '***बच्चे के लिए उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा***' निहित है। इस प्रकार ऐसे **पांच अभिकल्पना सिद्धांत**, जिन पर सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (CENTA) की मान्यता आधारित हैं, वे हैं**: प्रणाली**-संशयवाद (व्यवस्था पर संदेह रखने का सिद्धांतवाद)**, न्यायसंगत, समग्र, प्रासंगिक और दूरदर्शिता।** इन पाँच सिद्धांतों में से प्रत्येक की व्याख्या नीचे की गई है।

- ***उच्च गुणवत्ता की शिक्षा के लिए आवश्यक शिक्षक योग्यताओं को ध्यान*** में रखते हुए इन स्टैंडर्ड्स का आधार ***व्यापक*** है। वे किसी विशिष्ट शिक्षण पद्धति या बाल विकास के विशिष्ट दर्शन से संबद्ध नहीं हैं या, हालांकि वे इनमें से कई प्रासंगिक दर्शनों से प्रेरित हैं। वे ***किसी विशिष्ट बोर्ड या पाठ्यक्रम से संबद्ध नहीं हैं;*** प्रमाणन के कुछ पहलुओं (जैसे विषय का ज्ञान) का तालमेल, सामान्यतया चुने गए ग्रेड स्तरों हेतु विषय की विषय वस्तुओं (राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा - NCF 2005 से) से बैठाया जाएगा।
- ***छात्र को मिलने वाले शिक्षण की गुणवत्ता सुसंगत होनी चाहिए भले ही शिक्षक*** *के व्यावसायिक* विकास का स्तर **(**स्तर-**1 /** स्तर-**2 /** स्तर-**3)** कोई भी हो**।** यह सुनिश्चित करने के लिए, व्यावसायिक विकास के ***विभिन्न स्तरों पर शिक्षकों के लिए आवश्यक समर्थन*** *के* ***विभिन्न स्तरों को*** ध्यान में रखते हुए स्टैंडर्ड्स को परिभाषित किया जाता है। उस संदर्भ में,

[1] वर्तमान में शिक्षक प्रत्यायन केंद्र (CENTA) पांच सूक्ष्म-प्रत्यायक (माइक्रो-क्रेडेंशियल्स) प्रदान करता है: (1) विषय विशेषज्ञता; (2) सामग्री विकास और योजना; (3) छात्र मूल्यांकन और उपचारण; (4) कक्षा संचार; और (5) व्यावसायिक दक्षताएँ। 'शिक्षा में प्रौद्योगिकी' में एक विशेष सूक्ष्म-प्रत्यायक (माइक्रो-क्रेडेंशियल) शीघ्र ही प्रस्तुत किया जाएगा।

उदाहरण के लिए, एक बार सहायता देने का समर्थन किया जा सकता है लेकिन दिन-प्रतिदिन सहयोग देने की कार्यप्रणाली का बहुत अधिक समर्थन नहीं किया जा सकता; स्तर-1 स्टैंडर्ड्स को इस तरह के विचारों को ध्यान में रखते हुए परिभाषित किया गया है।

- ये स्टैंडर्ड ***प्रत्येक बच्चे के समग्र विकास और समग्र उत्कृष्टता को बढ़ावा देते हैं***। यह छात्रों के बीच विभिन्न रुचियों और सकारात्मक लक्षणों को विकसित करने, उन्हें सीखने और अपनी रचनात्मक और नवाचारी क्षमता बढ़ाने के लिए सशक्त करने जैसे पहलुओं को संदर्भित करता है। ये स्टैंडर्डछात्रों में इस तरह के पहलुओं को विकसित करने के लिए शिक्षकों से योग्यता और मनोभूमि संबंधी अपेक्षाओं को व्यक्त करते हैं।
- ये स्टैंडर्ड ***अधिगम को बच्चे के विकास संबंधी पर्यावरण, विशिष्ट आवश्यकताओं और अधिगम आदर्शों के संदर्भ में प्रासंगिक*** बनाने के लिए शिक्षण से की जाने वाली आशा-अपेक्षाओं को निर्धारित करते हैं। यह बच्चों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भ को निर्देश योजना तैयार करने और उसे लागू करने की आशा-अपेक्षा निर्धारित करने तथा शिक्षण को बच्चों की विशिष्ट आवश्यकताओं और अधिगम आदर्शों (मॉडलों) के प्रति अनुकूलित करने में परिलक्षित होता है, ताकि यह सभी बच्चों के लिए समावेशी हो।
- ये स्टैंडर्डऐसी शिक्षा हेतु शिक्षण प्रदान करने की आशा-अपेक्षा पर खरे उतरने की दृष्टि से दूरदर्शितापूर्ण (प्रगतिशील) हैं जो भविष्य की सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था के लिए उचित हो। ये स्टैंडर्डशिक्षकों से छात्रों में ऐसे कौशल और ज्ञान का विकास करने की आशा-अपेक्षा करते है जो दूरदर्शितापूर्ण (प्रगतिशील) हों और साथ ही इनका सहयोग-समर्थन करने वाले उपकरणों और प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हों।

सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (CENTA) मानदंड तैयार करने के लिए पालन किए गए दिशानिर्देश

अभिकल्पना दर्शन ***'बच्चे के लिए उच्च गुणवत्ता की शिक्षा'*** पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि लेखन दिशानिर्देश " **शिक्षक के व्यावसायिक विकास और जीवन वृत्ति (कैरियर) विकास"** पर ध्यान केन्द्रित करते हैं। वे शिक्षक की अनुक्रमिक प्रगति के लिए स्टैंडर्ड्स का उपयोग कैसे किया जा सकता है, स्टैंडर्ड्स का परीक्षण कैसे किया जाएगा, स्टैंडर्ड्स के उपयोग से व्यावसायिक विकास करने और जीवन वृत्ति (कैरियर) के अवसर प्राप्त करने में सफल कैसे हो सकते हैं, इत्यादि प्रश्नों को संबोधित करते हैं।

- ये स्टैंडर्ड ***विभिन्न* जीवन वृत्ति** (**कैरियर**) स्तरों **अर्थात्** स्तर-1 (नया शिक्षक), स्तर-2 (अनुभवी शिक्षक) और स्तर-3 (वरिष्ठ शिक्षक) **पर *'अपेक्षित शिक्षक योग्यता'*** को परिभाषित करते हैं। इन स्टैंडर्ड्स ***को प्रदर्शन स्टैंडर्ड्स के रूप में नहीं लिखा जाता है;* अर्थात्**, उनका प्रयोग शिक्षकों को अधिक-योग्य या कम-योग्य के रूप में वर्गीकृत करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए बल्कि केवल सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (CENTA) प्रमाणन के किसी विशेष स्तर की योग्यता संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करने वाले शिक्षकों का आकलन और प्रमाणीकरण करने के लिए उपयोग किया जाता है।

- इन स्टैंडर्ड्स को सामान्यतया कक्षा I से XII तक के ***विषय-ग्रेड संयोजनों*** *के* ***लिए परिभाषित किया गया है***। ग्रेड और/ या विषयवार योग्यता संबंधी अपेक्षाओं में अंतरों को वर्तमान में परीक्षण प्रतिदर्श (मॉडल) के माध्यम से पूरा किया जाएगा।

- स्तर-1 स्टैंडर्ड्स को इस प्रकार परिभाषित किया गया है, जैसे कि उन्हें अधिक अनुभव की आवश्यकता ***नहीं** होती **है** और जिन्हें **कक्षा के बिना भी प्रदर्शित*** किया जा सकता है। स्तर-1 से स्तर-2 के स्टैंडर्ड ***अभ्यास'*** के विषय में हैं, जबकि स्तर-3 स्टैंडर्डइनके अतिरिक्त '***अनुसंधान और नवाचार, प्रशिक्षण और नेतृत्व'*** पर ध्यान केन्द्रित करते हैं। यह भी अपेक्षा की जाती है कि क्षमता स्तर बढ़ने के साथ अपने शिक्षण को अनुकूलित करने की बढ़े।
  - स्टैंडर्ड्स को इस तरीके से परिभाषित करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास किए गए हैं कि उन्हें व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के पूर्वाग्रहों से मुक्त रहकर **वस्तुनिष्ठ रुप से मापा जा सके।**
  - समय के साथ इसे और भी अधिक परिष्कृत किया जाएगा। स्टैंडर्ड्स की वैधता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिक्रिया (फीडबैक) और शिक्षक प्रभावशीलता के प्रति उनका संबंध महत्वपूर्ण है और इसे क्षेत्र में विभिन्न लोगों से प्रतिक्रिया (फीडबैक) के समानुक्रमण के माध्यम से एवं साथ ही साथ अनुसंधान के आधार पर किया जा रहा है।

सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (CENTA) स्टैंडर्ड्स के विकास के लिए अपनाई गई प्रक्रिया

अगस्त 2015 में प्रकाशित किए गए सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (**CENTA)** स्टैंडर्ड्स के प्रथम संस्करण (संस्करण 1.0), को टॉप-डाउन और बॉटम-अप दृष्टिकोणों के संयोजन का उपयोग करके विकसित किया गया था, जिसमें सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (**CENTA)** ने विश्व भर के जाने-माने विभिन्न स्टैंडर्ड्स के द्वितीयक अनुसंधान का आयोजन किया था, भारत में बड़ी संख्या में हितधारकों का साक्षात्कार लिया और उसमें अपने अनुभव और विचार प्रक्रिया का समावेश किया और इस प्रकार सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (**CENTA)** के प्रारूपिक स्टैंडर्ड्स का विकास किया गया। 100+ हितधारकों (शिक्षकों, प्रधानाचार्यों, शिक्षक शिक्षकों, शिक्षाविदों, अकादमिक विभूतियों, शिक्षा जगत के अन्य नेताओं इत्यादि) से प्राप्त फीडबैक (प्रतिक्रिया) के आधार पर इसे और अधिक परिष्कृत किया गया, जिससे संस्करण 1.0 प्राप्त हुआ। सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (**CENTA)** के जमीनी स्तर पर अर्जित अनुभव एवं साथ ही कई हितधारकों की प्रतिक्रिया के आधार पर द्वितीय संस्करण (संस्करण 2.0) को वर्ष 2016 में प्रकाशित किया गया था।

वर्तमान दस्तावेज़, सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (**CENTA)** स्टैंडर्ड्स का **तृतीय संस्करण (संस्करण 3.0 - 2018)** है जो पिछले 4 वर्षों से सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (**CENTA)** के जमीनी स्तर पर प्राप्त अनुभव, सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (**CENTA)** प्रमाणन से प्राप्त डेटा और अन्य अंतरराष्ट्रीय स्टैंडर्ड्स के लिए सम्पन्न किए गए द्वितीयक अनुसंधान पर आधारित है।[2]

आगे बढ़ते हुए, इन स्टैंडर्ड्स को उपर्युक्त आधारों पर निरंतर परिष्कृत किया जाता रहेगा। संशोधन की यह प्रक्रिया सुनिश्चित करेगी कि ये स्टैंडर्डविद्यालय प्रबंधन और विद्यालय नेतृत्व आदानों को सम्मिलित

[2] शिक्षकों के लिए ऑस्ट्रेलियाई व्यावसायिक स्टैण्डर्ड , स्नातक एवं शिक्षक योग्यताएँ, शिक्षण के लिए डेनियलसन की रूपरेखा

करके उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण के संकेतकों के रूप में विभिन्न प्रकार के ***विद्यालयों में सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (****CENTA)* ***के प्रमाणपत्रों की स्वीकार्यता*** को गति प्रदान करें।

यदि आप सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (**CENTA)** स्टैंडर्ड्स पर अपने सुझाव देना चाहते हैं, तो कृपया हमें team@centa.org पर लिखें। इस प्रकार प्राप्त होने वाले सुझावों पर हमारे अगले संस्करण के लिए विचार किया जाएगा।

"सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन , सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (CENTA) **की बौद्धिक संपदा हैं और व्यापक शिक्षा परिदृश्य के लिए संगठन का योगदान भी हैं। सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (**CENTA), **शिक्षक व्यावसायिकों के विकास में रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति या संगठन को अपने स्टैंडर्ड्स को डाउनलोड करने और उपयोग करने की अनुमति देता है, जैसे कि, शिक्षकों के लिए अधिगम लक्ष्यों को स्थापित करने के लिए, आत्म-चिंतन और आंतरिक मूल्यांकन हेतु, सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन " के रूप में उपयुक्त संदर्भ के साथ और इस स्पष्टीकरण के साथ कि सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (**CENTA) **प्रमाणन केवल सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (**CENTA) **मूल्यांकन के माध्यम से दिया जा सकता है और किसी अन्य मूल्यांकन के माध्यम से नहीं। सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (**CENTA), **सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (**CENTA) **से पूर्व स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना किसी भी व्यक्ति या संगठन को इन स्टैंडर्ड्स के किसी भी भाग की नकल करने या उन्हें किसी भी तरह से संशोधित करने की अनुमति नहीं देता है।"**

सेन्टा स्टैंडर्ड्स के ढाँचे का संक्षिप्त विवरण:

तकनीकी योग्यताएं	SE: विषय विशेषज्ञता	SE.1: ज्ञान	SE.2: अवधारणा और सम्बन्ध	SE.2: प्रयोग	SE.4: उद्देश्य
	UC: बच्चों के संज्ञानात्मक विकास और विभिन्नताओं की समझ	UC.1 अधिगम सम्बन्धी सिद्धांत	UC.2:शिक्षार्थियों में विभिन्नता		
	CD: विषय सामग्री और आयोजन	CD.1शिक्षण उद्देश्य	CD.2: शैक्षणिक सामग्री का ज्ञान- पद्धतियां और संसाधन	CD.3 निर्देशन का आयोजन	CD.4: विषय सामग्री और आयोजन का अनुशिक्षण
	TE - शिक्षा में प्रौद्योगिकी का प्रयोग	TE.1: ICT संसाधन की समझ	TE.2: अधिगम तथा शिक्षण में ICT की भूमिका	TE.3: शिक्षार्थियों में प्रौद्योगिक क्षमता विक्सित करना	
	SA: छात्रों का मूल्यांकन और सुधार	SA.1: मूल्यांकन के उद्देश्य, तरीके और संसाधन	SA.2: शैक्षणिक सामग्री का ज्ञान और मूल्यांकन	SA.3 सुधार और सम्प्रेषण	SA.4: मूल्यांकन के तरीके और प्रतिपुष्टि का अनुशिक्षण
	CC: कक्षा में संप्रषण	CC.1 कक्षा प्रबंधन के तरीके CC.5 कक्षा में पढ़ाने का अनुशिक्षण	CC.2: विषय सामग्री का प्रतिपादन	CC.3 सामग्री को सन्दर्भानुसार बनाना	CC.4: भागीदारी, ग्राह्य गति और प्रत्येक छात्र पर ध्यान देना।
वृत्तिक योग्यताएं	PC – वृत्तिक योग्यता, स्वयं का विकास, सम्बन्ध और कार्य	SD - स्वयं का विकास TL - सम्मिलित कार्य और नेतृत्व WP: कार्य योजना और समय प्रबंधन	UP: नीतियों की समझ और छात्रों की सुरक्षा RS: छात्रों के साथ सकारात्मक सम्बन्ध PS: समस्या सुलझाने की क्षमता	RP: माता पिता और समुदाय का छात्र के प्रगति में भागीदारी	
बुनियादी योग्यताएँ	LA: तार्किक क्षमता	LA: तर्क			
	VC: मौखिक संवाद	VC.1: भाषा	VC.2: अभिव्यक्ति की स्पष्टता और संरचना	VC.3 ग्रहण शक्ति	VC.4संवेदनशीलता
	WC -लिखित संचार	WC.1 भाषा	WC.2: अभिव्यक्ति की स्पष्टता और संरचना	WC.3: ग्रहण शक्ति	WC.4: संवेदनशीलता
	TA: तकनीकी जागरूकता	TA.1 कंप्यूटर साक्षरता	TA.2: प्रौद्योगिकी का सुरक्षित उपयोग		
मनोभूतियाँ	MS.1: समग्र विकास पर आधारित विद्यार्थी केंद्रित मानसिकता	MS1 विद्यार्थी केंद्रित मानसिकता	MS.1: समग्र विकास	MS1 सामाजिक सन्दर्भ	
	MS.2: विद्यार्थितों पर भरोसा	MS2 उत्कृष्टता के लिए प्रयास	MS.2: सकारात्मक सुदृढ़ीकरण	MS2 विविधता	
	MS.3: माता पिता और समुदाय की भागीदारी	MS.3: संलग्नता			
	MS.4: पहल और प्रेरणा	MS.4: तत्परता	MS.4: प्रेरणा	MS4 दृढ़ता	

सेन्टा स्टैंडर्ड्स का विस्तृत वर्णन:

कृपया ध्यान दें:

- नारंगी रंग में लिखे वाक्य: **सभी स्तरों से अपेक्षाएं**
- **हरे रंग में लिखे वाक्य: L2 और L3 से अतिरिक्त अपेक्षाएं**
- **नीले रंग में लिखे वाक्य: L3 से अतिरिक्त अपेक्षाएं**

खंड A: क्षमताएं

शिक्षण क्षमताएं	पहलू	नए शिक्षकों या बन रहे शिक्षकों के लिए स्टैंडर्ड [सेन्टा स्तर 1 प्रमाणिकरण]	अनुभवी शिक्षकों के लिए स्टैंडर्ड [सेन्टा स्तर 2 प्रमाणिकरण]	वरिdष्ठ शिक्षकों के लिए स्टैंडर्ड [सेन्टा स्तर 3 प्रमाणिकरण]
तकनीकी क्षमताएं				
विषय विशेषज्ञता:	**SE.1 ज्ञान**	आपके विषय की विषय-सामग्री और पद्धतियों का ज्ञान।	आपके विषय की विषय-सामग्री और पद्धतियों का ज्ञान।	आपके विषय की विषय-सामग्री और पद्धतियों का ज्ञान।
				पाठ्य पुस्तकों के परे आपके विषय से संबंधित उन्नति के ज्ञान के साथ, पूर्ववर्ती ज्ञान से उसे जोड़ने की क्षमता।
	SE.2 अवधारणा और संबंध	आपके विषय के विभिन्न प्रसंगों का वैचारिक समझ होना।	आपके विषय के विभिन्न प्रसंगों का वैचारिक समझ होना।	आपके विषय के विभिन्न प्रसंगों का वैचारिक समझ होना।
		आपके विषय के विभिन्न प्रसंगों के बीच संबंध के बारे में वैचारिक समझ।	आपके विषय के विभिन्न प्रसंगों के बीच संबंध के बारे में वैचारिक समझ।	आपके विषय के विभिन्न प्रसंगों के बीच संबंध के बारे में वैचारिक समझ।
				आपके विषय का अन्य विषयों से संबंध की वैचारिक समझ।
	SE.3 प्रयोग	अपने विषय के विभिन्न प्रसंगों को उपयुक्त वास्तविक जीवन के उदाहरण का प्रयोग करते हुए समझाने की क्षमता।	अपने विषय के विभिन्न प्रसंगों को उपयुक्त वास्तविक जीवन के उदाहरण का प्रयोग करते हुए समझाने की क्षमता।	अपने विषय के विभिन्न प्रसंगों को उपयुक्त वास्तविक जीवन के उदाहरण का प्रयोग करते हुए समझाने की क्षमता।
			वास्तविक जीवन के ऐसे उदाहरण देने की क्षमता जो आपके विषय के कई प्रसंगों से संबंधित हों।	वास्तविक जीवन के ऐसे उदाहरण देने की क्षमता जो आपके विषय के कई प्रसंगों से संबंधित हों।

शिक्षण क्षमताएं	पहलू	नए शिक्षकों या बन रहे शिक्षकों के लिए स्टैंडर्ड [सेन्टा स्तर 1 प्रमाणिकरण]	अनुभवी शिक्षकों के लिए स्टैंडर्ड [सेन्टा स्तर 2 प्रमाणिकरण]	वरिdष्ठ शिक्षकों के लिए स्टैंडर्ड [सेन्टा स्तर 3 प्रमाणिकरण]
				वास्तविक जीवन के ऐसे उदाहरण देने की क्षमता जो आपके विषय को दूसरे विषयों से जोड़ें।
	SE.4 उद्देश्य	आपके विषय के उद्देश्य की समझ।	आपके विषय के उद्देश्य की समझ।	आपके विषय के उद्देश्य की समझ।
बच्चो के संज्ञानात्मक विकास और विभिन्नताओं की समझ।	UC.1 अधिगम संबंधी सिद्धांत	अधिगम के तरीकों के विभिन्न सिद्धांत तथा अधिगम और उम्र के बीच के सम्भन्ध की समझ।	अधिगम के तरीकों के विभिन्न सिद्धांत तथा अधिगम और उम्र के बीच के सम्भन्ध की समझ।	अधिगम के तरीकों के विभिन्न सिद्धांत तथा अधिगम और उम्र के बीच के सम्भन्ध की समझ।
	UC.2 शिक्षार्थियों में भिन्नता	शिक्षार्थियों की विशेषताओं और सीखने के तरीकों में भिन्नता की समझ [3]।	शिक्षार्थियों की विशेषताओं और सीखने के तरीकों में भिन्नता की समझ।	शिक्षार्थियों की विशेषताओं और सीखने के तरीकों में भिन्नता की समझ।
	CD.1 शिक्षण उद्देश्य	उपयुक्त शिक्षण उद्देश्य की लिखाई की समझ।	उपयुक्त शिक्षण उद्देश्य की लिखाई की समझ।	उपयुक्त शिक्षण उद्देश्य की लिखाई की समझ।

[3] उदाहरण: शिक्षार्थियों के गुणों में भिन्नता - भाषा, सामाजिक-आर्थिक स्थिति; सीखने के तरीकों में भिन्नता - विशेष तरीके से सिखाने की वश्यकताएं, आम सिखाने के तरीके, मेधावी औऱ प्रतिभाशाली छात्रों को सिखाना

		उन विशिष्ट क्षमताओं की समझ जिसका एक विशेष शिक्षण उद्देश्य ज़िक्र कर रहा है।	उन विशिष्ट क्षमताओं की समझ जिसका एक विशेष शिक्षण उद्देश्य ज़िक्र कर रहा है।	उन विशिष्ट क्षमताओं की समझ जिसका एक विशेष शिक्षण उद्देश्य ज़िक्र कर रहा है।
			छात्रों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए, किसी विशेष विषय के लिए शिक्षण उद्देश्यों को तैयार करने की क्षमता।	छात्रों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए, किसी विशेष विषय के लिए शिक्षण उद्देश्यों को तैयार करने की क्षमता।
	CD.2 शैक्षणिक सामग्री का ज्ञान- पद्धतियाँ और संसाधन	अलग-अलग प्रकार की सामान्य और विषय-विशिष्ट शैक्षणिक पद्धतियों और संसाधनों की समझ।	अलग-अलग प्रकार की सामान्य और विषय-विशिष्ट शैक्षणिक पद्धतियों और संसाधनों की समझ।	अलग-अलग प्रकार की सामान्य और विषय-विशिष्ट शैक्षणिक पद्धतियों और संसाधनों की समझ।
			आपके विषय के विभिन्न प्रसंगों के बीच वैचारिक संबंध और उनको पढ़ाने के क्रम के बारे में समझ।	आपके विषय के विभिन्न प्रसंगों के बीच वैचारिक संबंध और उनको पढ़ाने के क्रम के बारे में समझ।
			शिक्षण उद्देश्यों और कक्षा के संदर्भानुसार शैक्षणिक पद्धतियों और संसाधनों को चुनने / उनमें परिवर्तन करने की क्षमता।	शिक्षण उद्देश्यों और कक्षा के संदर्भानुसार शैक्षणिक पद्धतियों और संसाधनों को चुनने / उनमें परिवर्तन करने की क्षमता।
			शैक्षणिक पद्धतियों का उपयोग करने की क्षमता जो सर्वग्राही समस्या समाधान और गहन चिन्तन के कौशल का निर्माण करती है।	शैक्षणिक पद्धतियों का उपयोग करने की क्षमता जो सर्वग्राही समस्या समाधान और गहन चिन्तन के कौशल का निर्माण करती है।
				आपके विषय के शैक्षणिक पद्धतियोंऔर संसाधनों से संबंधित प्रगतियों का ज्ञान और उनके प्रयोग की गहन समीक्षा करने की क्षमता।

				शिक्षण उद्देश्यों और कक्षा के छात्रों को ध्यान में रखते हुए, नए संसाधन तैयार करने की क्षमता।
	CD.3 निर्देशन का आयोजन	विभिन्न प्रकार के संसाधनों और उन में से हर एक को तैयार करने की प्रक्रिया का ज्ञान	विभिन्न प्रकार के संसाधनों[4] और उन में से हर एक को तैयार करने की प्रक्रिया का ज्ञान	विभिन्न प्रकार के संसाधनों और उन में से हर एक को तैयार करने की प्रक्रिया का ज्ञान
			शिक्षण उद्देश्य और कक्षा के छात्रों को ध्यान में रखते हुए पाठ योजना / पाठ्य पुस्तक के अध्याय को तैयार करने की क्षमता।	शिक्षण उद्देश्य और कक्षा के छात्रों को ध्यान में रखते हुए पाठ योजना / पाठ्य पुस्तक के अध्याय को तैयार करने की क्षमता।
				आवश्यकता अनुसार , छात्रों को विभिन्न वर्गों के लिए पाठ योजना को तैयार करने/ परिवर्तित करने की क्षमता होना।
	CD.4 विषय-सामग्री और आयोजन का अनुशिक्षण			दी गई विषय-सामग्री की समीक्षा करके, उसके संदर्भ के आधार पर अपनी प्रतिपुष्टि देने की क्षमता।
शिक्षा में [5] प्रौद्योगिकी का प्रयोग	TE.1 आईसीटी (ICT) संसाधनों की समझ	शिक्षण- अधिगम की प्रक्रिया में आईसीटी (ICT) संसाधनों[6] की समझ।	शिक्षण- अधिगम की प्रक्रिया में आईसीटी (ICT) संसाधनों की समझ।	शिक्षण- अधिगम की प्रक्रिया में आईसीटी (ICT) संसाधनों की समझ।

[4] उदाहरण: ख़ाका तैयार करने के संसाधन - पाठ योजना, पाठ्य पुस्तक का अध्याय, पाठ्यक्रम योजना, आदि।
[5] पहलुओं की प्रासंगिकता संदर्भ के आधार पर बदल सकती है।
[6] उदाहरण: पढ़ाने-सीखने की प्रक्रिया के लिए सहायक आईसीटी संसाधन - स्मार्टबोर्ड, किसी कार्य को खेल जैसा बनाना, विडिओ, आदि का प्रयोग

		आम आईसीटी (ICT) संसाधनों[6] को शिक्षण उपकरणों के रूप में प्रयोग करने की क्षमता।	आम आईसीटी (ICT) संसाधनों को शिक्षण उपकरणों के रूप में प्रयोग करने की क्षमता।	आम आईसीटी (ICT) संसाधनों को शिक्षण उपकरणों के रूप में प्रयोग करने की क्षमता।
			शिक्षण में [7]प्रौद्योगिकी के विभिन्न उद्देश्यों की गहन समझ और उपयुक्त आईसीटी (ICT) संसाधनों की पहचान करने की क्षमता होना।	शिक्षण में प्रौद्योगिकी के विभिन्न उद्देश्यों की गहन समझ और उपयुक्त आईसीटी (ICT) संसाधनों की पहचान करने की क्षमता होना।
				शिक्षा में प्रौद्योगिकी संबंधित प्रगतियों और इसका शिक्षण- अधिगम की प्रक्रियाओं तथा छात्रों के मूल्यांकन में समर्थन का ज्ञान।
	TE.2 शिक्षम- अधिगम में आईसीटी (ICT) की भूमिका		किसी पाठ या पाठ योजना के उन विशिष्ट भागों को पहचानने की क्षमता जहां प्रौद्योगिकी का उपयोग अधिगम को बढ़ावा दे सकता है।	किसी पाठ या पाठ योजना के उन विशिष्ट भागों को पहचानने की क्षमता जहां प्रौद्योगिकी का उपयोग अधिगम को बढ़ावा दे सकता है।
			सीखने / मूल्यांकन उद्देश्यों और कक्षा के प्रसंग को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त आईसीटी(ICT) संसाधनों को चुनने की क्षमता।	सीखने / मूल्यांकन उद्देश्यों और कक्षा के प्रसंग को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त आईसीटी(ICT) संसाधनों को चुनने की क्षमता।

[7] उदाहरण: प्रौद्योगिकी के विभिन्न उद्देश्य - दक्षता, प्रभाविकता, आदि में सुधार करना

				विभिन्न प्रकार के अधिगम के तरीकों में आईसीटी (ICT) किस प्रकार मदद कर सकते हैं, यह पहचानने और उपयुक्त आईसीटी (ICT) संसाधनों का चयन करने की क्षमता।
	TE.3 छात्रों में प्रौद्योगिकी क्षमता विकसित करना		छात्रों में डिजिटल सुरक्षा और बौद्धिक संपदा की समझ सहित प्रौद्योगिकी[8] के दृष्टिकोण8 को विकसित करने	छात्रों में डिजिटल सुरक्षा और बौद्धिक संपदा की समझ सहित प्रौद्योगिकी के दृष्टिकोण8 को विकसित करने
छात्रों का मूल्यांकन और सुधार	SA.1 मूल्यांकन के उद्देश्य तरीके और साधन	मूल्यांकन के विभिन्न उद्देश्यों की समझ[9]।	मूल्यांकन के विभिन्न उद्देश्यों की समझ।	मूल्यांकन के विभिन्न उद्देश्यों की समझ।
		मूल्यांकन के विभिन्न तरीकों और साधनों की समझ[10]।	मूल्यांकन के विभिन्न तरीकों और साधनों की समझ।	मूल्यांकन के विभिन्न तरीकों और साधनों की समझ।
			मूल्यांकन करने के तरीकों में अपनायी जाने वाली सर्वोत्तम अभ्यासों की समझ।	मूल्यांकन करने के तरीकों में अपनायी जाने वाली सर्वोत्तम अभ्यासों की समझ।
				मूल्यांकन करने के तरीकों से संबंधित प्रगतियों का ज्ञान और उनके उपयोग
	SA.2 शैक्षणिक सामग्री का ज्ञान और मूल्यांकन	मूल्यांकन उद्देश्यों और कक्षा के छात्रों को ध्यान में रखते हुए, मूल्यांकन चुनने/में परिवर्तन करने और कार्यान्वित करने की क्षमता।	मूल्यांकन उद्देश्यों और कक्षा के छात्रों को ध्यान में रखते हुए, मूल्यांकन चुनने/में परिवर्तन करने और कार्यान्वित करने की क्षमता।	मूल्यांकन उद्देश्यों और कक्षा के छात्रों को ध्यान में रखते हुए, मूल्यांकन चुनने/में परिवर्तन करने और कार्यान्वित करने की क्षमता।

[8] उदाहरण: प्रौद्योगिकी की क्षमता - ज्ञान प्राप्ति, सहयोग, सामग्री के प्रकाशण आदि के लिए ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग।
[9] उदाहरण: मूल्यांकन का उद्देश्य - निर्माणात्मक, योगात्मक, आदि
[10] उदाहरण: मूल्यांकन के तरीके और साधन -लिखित परीक्षा, मौखिक परीक्षा, प्रस्तुतिकरण, कक्षा में विचारों का आदान-प्रदान, आदि

		मूल्यांकन आकड़ों की मात्रात्मक और गुणात्मक रूप से समीक्षा करने की क्षमता।	मूल्यांकन आकड़ों की मात्रात्मक और गुणात्मक रूप से समीक्षा करने की क्षमता।	मूल्यांकन आकड़ों की मात्रात्मक और गुणात्मक रूप से समीक्षा करने की क्षमता।
		मूल्यांकन में छात्रों के प्रदर्शन की समीक्षा की सहायता से आम और छात्र-विशेष भ्रांतियों / गलतियों को समझने की क्षमता।	मूल्यांकन में छात्रों के प्रदर्शन की समीक्षा की सहायता से आम और छात्र-विशेष भ्रांतियों / गलतियों को समझने की क्षमता।	मूल्यांकन में छात्रों के प्रदर्शन की समीक्षा की सहायता से आम और छात्र-विशेष भ्रांतियों / गलतियों को समझने की क्षमता।
			मूल्यांकन उद्देश्यों और कक्षा के सन्दर्भको ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन तैयार करने और उसे कार्यान्वित करने की क्षमता।	मूल्यांकन उद्देश्यों और कक्षा के सन्दर्भ को ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन तैयार करने और उसे कार्यान्वित करने की क्षमता।
	SA.3 सुधार और सम्प्रेषण	विभिन्न विषयों में सामान्य और छात्र-विशिष्ट भ्रांतियों को संबोधित करने के लिए शिक्षण के तरीकों को पहचानने की क्षमता।	विभिन्न विषयों में सामान्य और छात्र-विशिष्ट भ्रांतियों को संबोधित करने के लिए शिक्षण के तरीकों को पहचानने की क्षमता।	विभिन्न विषयों में सामान्य और छात्र-विशिष्ट भ्रांतियों को संबोधित करने के लिए शिक्षण के तरीकों को पहचानने की क्षमता।
		विशिष्ट भ्रांतियों पर प्रतिपुष्टि प्रकट करने की क्षमता	विशिष्ट भ्रांतियों पर प्रतिपुष्टि प्रकट करने की क्षमता	विशिष्ट भ्रांतियों पर प्रतिपुष्टि प्रकट करने की क्षमता
				मूल्यांकन से प्राप्त आकड़ों का छात्रों के गुणों /अवगुणों से संबंध स्थापित करने की क्षमता।
	SA.4 मूल्यांकन के तरीके और प्रतिपुष्टि देने का अनुशिक्षण			किसी विशेष संदर्भ में मूल्यांकन के तरीके की समीक्षा, गुणों और कमियों को पहचानने तथा प्रतिपुष्टि देने की क्षमता।

				मूल्यांकन में किए गए प्रदर्शन के विश्लेषण से प्राप्त समझ/ सुधारात्मक उपायों की समीक्षा और प्रतिपुष्टि देने की क्षमता।
कक्षा में संप्रेषण [11]	CC.1 कक्षा प्रबंधन के तरीके	विभिन्न प्रकार की कक्षा व्यवस्था में सबकी भागीदारी, सकारात्मक तरीके से अनुशासित करना , विविधता को संबोधित करना आदि के लिए सामान्य कक्षा प्रबंधन तकनीकों की समझ[12]।	विभिन्न प्रकार की कक्षा व्यवस्था में सबकी भागीदारी, सकारात्मक तरीके से अनुशासित करना , विविधता को संबोधित करना आदि के लिए सामान्य कक्षा प्रबंधन तकनीकों की समझ।	विभिन्न प्रकार की कक्षा व्यवस्था में सबकी भागीदारी, सकारात्मक तरीके से अनुशासित करना , विविधता को संबोधित करना आदि के लिए सामान्य कक्षा प्रबंधन तकनीकों की समझ।
		छात्रों की शारीरिक सुरक्षा, आराम और भावनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कक्षा और उसके साथ प्राप्त सुविधाओं को व्यवस्थित करने की क्षमता।	छात्रों की शारीरिक सुरक्षा, आराम और भावनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कक्षा और उसके साथ प्राप्त सुविधाओं को व्यवस्थित करने की क्षमता।	छात्रों की शारीरिक सुरक्षा, आराम और भावनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कक्षा और उसके साथ प्राप्त सुविधाओं को व्यवस्थित करने की क्षमता।
	CC.2 विष्य-सामग्री का प्रतिपादन	शिक्षण उद्देश्यों के अनुसार शिक्षण के तरीकों और संसाधनों का प्रयोग करके अपने विषय के विभिन्न पाठों को पढ़ाने की क्षमता।	शिक्षण उद्देश्यों के अनुसार शिक्षण के तरीकों और संसाधनों का प्रयोग करके अपने विषय के विभिन्न पाठों को पढ़ाने की क्षमता।	शिक्षण उद्देश्यों के अनुसार शिक्षण के तरीकों और संसाधनों का प्रयोग करके अपने विषय के विभिन्न पाठों को पढ़ाने की क्षमता।
			कक्षा के अधिगम के स्तर और कक्षा के संदर्भानुसार, किसी विशेष विषय को पढ़ाने के लिए शैक्षणिक विधियों और संसाधनों का प्रयोग करना।	कक्षा के अधिगम के स्तर और कक्षा के संदर्भानुसार, किसी विशेष विषय को पढ़ाने के लिए शैक्षणिक विधियों और संसाधनों का प्रयोग करना।
				अव्यक्त छात्र प्रतिपुष्टि को शामिल करने

[11] सेन्टा प्रमाणन में, भौतिक कक्षा और ऑनलाइन वातावरण में पढ़ाने के लिए इस क्षमता का परीक्षण अलग-अलग तरीके से किया जाता है।
[12] सेन्टा प्रमाणन में, परीक्षण शिक्षक की विशिष्ट कक्षा व्यवस्था के आधार पर किया जाता है। उदाहरण: सामूहिक, अलग-अलग छात्रों को पढ़ना, ऑनलाइन पढ़ाना, आधि

				के लिए शैक्षणिक पद्धतियों और साधनों को 'पढ़ाने के दौरान' ढालने की क्षमता।
	CC.3 सामग्री को संदर्भानुसार बनाना	छात्र के संदर्भ, उपयुक्त उदाहरण प्रस्तुति और बच्चे की संवेदनशीलता के अनुसार उपयुक्त भाषा का उपयोग करने की क्षमता।	छात्र के संदर्भ, उपयुक्त उदाहरण प्रस्तुति और बच्चे की संवेदनशीलता के अनुसार उपयुक्त भाषा का उपयोग करने की क्षमता।	छात्र के संदर्भ, उपयुक्त उदाहरण प्रस्तुति और बच्चे की संवेदनशीलता के अनुसार उपयुक्त भाषा का उपयोग करने की क्षमता।
				कक्षा की स्थितियों और छात्र अनुभवों का लाभ उठाते हुए विभिन्न विषयों के लिए 'साक्षात' उदाहरण एवं परिदृश्य प्रस्तुत और चर्चा करने की क्षमता।
	CC.4 भागीदारी, ग्राह्य गति और प्रत्येक छात्र पर ध्यान देना।	कक्षा व्यवस्था के अनुसार उपयुक्त तकनीकों का प्रयोग कर कक्षा में समय का लाभकारी तरीके से उपयोग करने की क्षमता।	कक्षा व्यवस्था के अनुसार उपयुक्त तकनीकों का प्रयोग कर कक्षा में समय का लाभकारी तरीके से उपयोग करने की क्षमता।	कक्षा व्यवस्था के अनुसार उपयुक्त तकनीकों का प्रयोग कर कक्षा में समय का लाभकारी तरीके से उपयोग करने की क्षमता।
		कक्षा की व्यवस्था के अनुसार उपयुक्त तकनीकों का उपयोग करके अधिगम की प्रक्रिया में छात्रों को शामिल करने की क्षमता।	कक्षा की व्यवस्था के अनुसार उपयुक्त तकनीकों का उपयोग करके अधिगम की प्रक्रिया में छात्रों को शामिल करने की क्षमता।	कक्षा की व्यवस्था के अनुसार उपयुक्त तकनीकों का उपयोग करके अधिगम की प्रक्रिया में छात्रों को शामिल करने की क्षमता।
			अनुकूल शिक्षण वातावरण में संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की क्षमता।	अनुकूल शिक्षण वातावरण में संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की क्षमता।
			सभी छात्रों को शामिल करने, छात्रों की ग्राह्य गति में भिन्नता को संबोधित करने और रूचि ना लेने वाले छात्रों को भी शामिल करने की क्षमता।	सभी छात्रों को शामिल करने, छात्रों की ग्राह्य गति में भिन्नता को संबोधित करने और रूचि ना लेने वाले छात्रों को भी शामिल करने की क्षमता।

			छात्रों में व्यक्तिगत गुणों और कमियों पर ध्यान देना और सकारात्मक सुदृढीकरण की क्षमता।	छात्रों में व्यक्तिगत गुणों और कमियों पर ध्यान देना और सकारात्मक सुदृढीकरण की क्षमता।
				सभी छात्रों की निरंतर भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से आवश्यकतानुसार शैली और गति को परिवर्तित करने की क्षमता।
	CC.5 **कक्षा में पढ़ाने का अनुशिक्षण**			अन्य शिक्षकों की कक्षाओं का एक संरचित तरीके से निरीक्षण कर, उसमें अच्छी बातें और कमियों को पहचानने और प्रतिपुष्टि देने की क्षमता।
वृत्तिक योग्यताएं				
स्वयं का विकास	**SD.1** **सोच-विचार**	अपने गुणों, कमियों और शिक्षण पद्धत्तियों पर विचार करने की क्षमता।	अपने गुणों, कमियों और शिक्षण पद्धत्तियों पर विचार करने की क्षमता।	अपने गुणों, कमियों और शिक्षण पद्धत्तियों पर विचार करने की क्षमता।
			शिक्षण पद्धत्तियों और छात्र उपलब्धियों पर वृत्तिक विकास के प्रभाव का आकलन करने की क्षमता।	शिक्षण पद्धत्तियों और छात्र उपलब्धियों पर वृत्तिक विकास के प्रभाव का आकलन करने की क्षमता।
	SD.2 **वृत्तिक प्रगति और बोध का प्रतिदान**	अपनी योग्यताओं को लगातार सुधारने की क्षमता।	अपनी योग्यताओं को लगातार सुधारने की क्षमता।	अपनी योग्यताओं को लगातार सुधारने की क्षमता।
			वृत्तिक विकास की पहल के परिणामों को शिक्षण पद्धत्तियों और छात्र उपलब्धियों को बेहतर बनाने में प्रयोग करने की क्षमता।	वृत्तिक विकास की पहल के परिणामों को शिक्षण पद्धत्तियों और छात्र उपलब्धियों को बेहतर बनाने में प्रयोग करने की क्षमता।
			विभिन्न व्यवस्थाओं में बोध का प्रतिदान करने की क्षमता।	विभिन्न व्यवस्थाओं में बोध का प्रतिदान करने की क्षमता।
				लेखन, शोध, पाठ योजनाएं तैयार करना, इत्यादि द्वारा पेशे में योगदान

				देने की क्षमता।
सम्मिलित कार्य और नेतृत्व	TL.1 सम्मिलित कार्य	सहभागियों के साथ निर्माणकारी प्रतिदान और प्रासंगिक दल के निर्णयों और मानदंडों का पालन करने सहित दलों में काम करने की क्षमता।	सहभागियों के साथ निर्माणकारी प्रतिदान और प्रासंगिक दल के निर्णयों और मानदंडों का पालन करने सहित दलों में काम करने की क्षमता।	सहभागियों के साथ निर्माणकारी प्रतिदान और प्रासंगिक दल के निर्णयों और मानदंडों का पालन करने सहित दलों में काम करने की क्षमता।
		व्यावसायिक प्रतिपुष्टि प्राप्त करना और उसके अनुसार प्रतिवचन और परिवर्तन करने की क्षमता।	व्यावसायिक प्रतिपुष्टि प्राप्त करना और उसके अनुसार प्रतिवचन और परिवर्तन करने की क्षमता।	व्यावसायिक प्रतिपुष्टि प्राप्त करना और उसके अनुसार प्रतिवचन और परिवर्तन करने की क्षमता।
		सहयोग, सम्मिलित कार्य और वृत्तिक प्रतिपुष्टि की सर्वोत्तम पद्धत्तियों की समझ।	सहयोग, सम्मिलित कार्य और वृत्तिक प्रतिपुष्टि की सर्वोत्तम पद्धत्तियों की समझ।	सहयोग, सम्मिलित कार्य और वृत्तिक प्रतिपुष्टि की सर्वोत्तम पद्धत्तियों की समझ।
				रचनात्मक ढंग से प्रतिपुष्टि देने की क्षमता।
	TL.2 नेतृत्व		संगठित गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षण- अधिगम की गतिविधियों के दलों या समूहों का नेतृत्व करने की क्षमता।	संगठित गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षण- अधिगम की गतिविधियों के दलों या समूहों का नेतृत्व करने की क्षमता।
			निर्धारित भूमिका से परे पहल करने की क्षमता।	निर्धारित भूमिका से परे पहल करने की क्षमता।
				नेतृत्व और अनुशिक्षण के लिए सर्वोत्तम पद्धत्तियों की समझ।
				रचनात्मक और प्रभावशाली तरीके से कम अनुभवी शिक्षकों को प्रशिक्षित करने की क्षमता और उन्हें प्रेरित करने के तरीके काम में लाना।

छात्रों के साथ सकारात्मक सम्बन्ध	RS.1 सम्मानपूर्वक पारस्परिक विचार विमर्श	सभी स्थितियों में छात्रों से सौहार्द और सम्मान के साथ बातचीत करने की क्षमता।	सभी स्थितियों में छात्रों से सौहार्द और सम्मान के साथ बातचीत करने की क्षमता।	सभी स्थितियों में छात्रों से सौहार्द और सम्मान के साथ बातचीत करने की क्षमता।
		सकारात्मक व्यवहार का प्रेरणास्त्रोत बनने की क्षमता।	सकारात्मक व्यवहार का प्रेरणास्त्रोत बनने की क्षमता।	सकारात्मक व्यवहार का प्रेरणास्त्रोत बनने की क्षमता।
			असहमति को रचनात्मक रूप से संबोधित करने और उससे लाभ उठाने की क्षमता।	असहमति को रचनात्मक रूप से संबोधित करने और उससे लाभ उठाने की क्षमता।
	RS.2 छात्रों पर ध्यान केन्द्रण		छात्रों के समग्र विकास के विभिन्न पहलुओं को समझ कर उनके लिए उच्च स्टैण्डर्ड स्थापित करना।	छात्रों के समग्र विकास के विभिन्न पहलुओं को समझ कर उनके लिए उच्च स्टैण्डर्ड स्थापित करना।
			साझेदारों के साथ सहयोग में, विभिन्न छात्रों के लिए अलग-अलग पाठ-योजनाओं को विकसित करने की क्षमता।	साझेदारों के साथ सहयोग में, विभिन्न छात्रों के लिए अलग-अलग पाठ-योजनाओं को विकसित करने की क्षमता।
				विशेष सहायता की आवश्यकता वाले छात्रों की पहचान करना और यदि आवश्यक हो तो विद्यालय प्रशासन से उस छात्र के लिए नीति अपवाद की गुज़ारिश करने की क्षमता।
माता-पिता और समुदाय का छात्र की प्रगति में भागीदारी	RP.1 माता-पिता और समुदाय का छात्र की प्रगति में शामिल होना	छात्र की स्थिति, आगे बढ़ने के पथ और प्रगति के बारे में छात्र के माता-पिता को स्पष्ट तरीके से बताने की क्षमता।	छात्र की स्थिति, आगे बढ़ने के पथ और प्रगति के बारे में छात्र के माता-पिता को स्पष्ट तरीके से बताने की क्षमता।	छात्र की स्थिति, आगे बढ़ने के पथ और प्रगति के बारे में छात्र के माता-पिता को स्पष्ट तरीके से बताने की क्षमता।
		बच्चे के विकास में माता-पिता और समुदाय के सहयोग के महत्व की समझ होना और उन्हें इसमें शामिल करने के लिए प्रयोग होने वाले सामान्य	बच्चे के विकास में माता-पिता और समुदाय के सहयोग के महत्व की समझ होना और उन्हें इसमें शामिल करने के लिए प्रयोग होने वाले सामान्य	बच्चे के विकास में माता-पिता और समुदाय के सहयोग के महत्व की समझ होना और उन्हें इसमें शामिल करने के लिए प्रयोग होने वाले सामान्य

		तरीकों को जानना।	तरीकों को जानना।	तरीकों को जानना।
				समग्र विद्यालय स्तर पर माता-पिता और समुदाय को शामिल करने संबंधी गतिविधियों को विकसित और नेतृत्व करने की क्षमता।
समस्या सुलझाने की क्षमता	PS.1 समस्या निवारण की क्षमता	विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्हें उप-लक्ष्यों में विभाजित करने जैसे तरीकों का प्रयोग करके, संभावित समस्याओं की पहचानने, उनके कारण और प्रभाव की पहचान करने, आदि की क्षमता होना।	विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्हें उप-लक्ष्यों में विभाजित करने जैसे तरीकों का प्रयोग करके, संभावित समस्याओं की पहचानने, उनके कारण और प्रभाव की पहचान करने, आदि की क्षमता होना।	विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्हें उप-लक्ष्यों में विभाजित करने जैसे तरीकों का प्रयोग करके, संभावित समस्याओं की पहचानने, उनके कारण और प्रभाव की पहचान करने, आदि की क्षमता होना।
			सीमा बाधाओं को हटाने, अनुरूपता का विश्लेषण करने आदि, जैसे विभिन्न तकनीकों के माध्यम से समस्या को हल करने के विभिन्न तरीकों से प्रयास करने की क्षमता।	सीमा बाधाओं को हटाने, अनुरूपता का विश्लेषण करने आदि, जैसे विभिन्न तकनीकों के माध्यम से समस्या को हल करने के विभिन्न तरीकों से प्रयास करने की क्षमता।
				विभिन्न समस्या हल करने के तरीकों को जाँचने के बाद निर्णय लेने की क्षमता।
कार्य योजना और समय प्रबंधन	WP.1 कार्य योजना	अपने कार्यों के लिए योजना बनाने और समय का पाबंद होने की क्षमता।	अपने कार्यों के लिए योजना बनाने और समय का पाबंद होने की क्षमता।	अपने कार्यों के लिए योजना बनाने और समय का पाबंद होने की क्षमता।
		किसी कार्य को करने के लिए गुणवत्ता और पर्याप्त स्तर की सूक्ष्मता पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता।	किसी कार्य को करने के लिए गुणवत्ता और पर्याप्त स्तर की सूक्ष्मता पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता।	किसी कार्य को करने के लिए गुणवत्ता और पर्याप्त स्तर की सूक्ष्मता पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता।
			कार्यों के लिए समय-योजना बनाना, प्राथमिकता के अनुसार अनुक्रमित	कार्यों के लिए समय-योजना बनाना, प्राथमिकता के अनुसार अनुक्रमित करना

			करना और क्रियाशील स्थितियों के अनुसार काम करने की क्षमता।	और क्रियाशील स्थितियों के अनुसार काम करने की क्षमता।
				लक्ष्यों को निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए एक उपयुक्त योजना विकसित करने की क्षमता।
	WP.2 कार्य-योजना का प्रशिक्षण			समान पदस्थ और कम अनुभवी शिक्षको को कार्यों, समय-योजना बनाने, प्राथमिकता के अनुसार कार्यों को अनुक्रमित करने और क्रीयाशील स्थितियों के अनुसार कार्य करने में सहयोग देने की क्षमता।
नीतियों और छात्र सुरक्षा की समझ	UP.1 ज्ञान	साधारणतः इस्तेमाल होने वाले विद्यालय, बोर्ड और सरकारी नियमों और नीतियों का ज्ञान।	साधारणतः इस्तेमाल होने वाले विद्यालय, बोर्ड और सरकारी नियमों और नीतियों का ज्ञान।	साधारणतः इस्तेमाल होने वाले विद्यालय, बोर्ड और सरकारी नियमों और नीतियों का ज्ञान।
	UP.2 अनुपालन	आम नीतियों का लगातार अनुपालन।	आम नीतियों का लगातार अनुपालन।	आम नीतियों का लगातार अनुपालन।
		समान पदस्थ, छात्रों और अभिभावकों को नीतियां समझाने की क्षमता।	समान पदस्थ, छात्रों और अभिभावकों को नीतियां समझाने की क्षमता।	समान पदस्थ, छात्रों और अभिभावकों को नीतियां समझाने की क्षमता।
	UP.3 विकास			विद्यालय की नीतियों को तैयार करने और उनमें अद्यतन करने की प्रक्रिया में शामिल होने की क्षमता।
बुनियादी क्षमताएं [13]				
तार्किक क्षमता	LA.1 तर्क	मौलिक तार्किक क्षमता, उदाहरण- प्रतिमा आकार, संबंध आदि को पहचानने की क्षमता		
मौखिकसंवाद	VC.1 भाषा	बातचीत करते समय वाक्य संरचना सहित सही भाषा प्रयोग करने की क्षमता।		
	VC.2	बातचीत करते समय संरचित तरीके से किसी विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने की क्षमता।		

[13] तीनों स्तरों में सभी बुनियादी क्षमताएं अपेक्षित हैं, चाहें अनुभव हो या न हो।

	अभिव्यक्ति की स्पष्टता	
	VC.3 ग्रहण शक्ति	सावधानीपूर्वक सुनने की क्षमता जिससे प्रासंगिक जानकारी को समझा और छांटा जा सके।
	VC.4 संवेदनशीलता	बातचीत करते समय संवेदनशीलता बनाए रखने की क्षमता।
लिखित संचार	WC.1 भाषा	लिखित संचार में वाक्य संरचना सहित सही भाषा प्रयोग करने की क्षमता।
	WC.2 अभिव्यक्ति की स्पष्टता	लिखित संचार में संरचित तरीके से किसी विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने की क्षमता।
	WC.3 ग्रहण शक्ति	दी गई सामग्री को सावधानीपूर्वक पढ़ने की क्षमता जिससे प्रासंगिक जानकारी को समझा और छांटा जा सके।
	WC.4 संवेदनशीलता	लिखित संचार में संवेदनशीलता बनाए रखने की क्षमता।
तकनीकी जागरूकता	TA.1 कंप्यूटर साक्षरता	बुनियादी स्तर पर कंप्यूटर इस्तेमाल करने की क्षमता [14].
	TA.2 प्रौद्योगिकी का सुरक्षित उपयोग	डेटा गोपनीयता और बौद्धिक संपदा अधिकारों के पालन करे के साथ-साथ जिम्मेदारी से प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की क्षमता।

[14] उदाहरण: कार्य को व्यवस्थित करने और उसका प्रबंध करने के लिए दस्तावेज़ तैयार करना, फाइलों को फोल्डरों में व्यवस्थित करना, ईमेल प्रयोग करना, आदि।

खण्ड B: मनोभूमियाँ [15]

मनोभूमियाँ	पहलू	नए शिक्षकों या बन रहे शिक्षकों के लिए स्टैण्डर्ड [सेन्टा स्तर 1 प्रमाणिकरण]	अनुभवी शिक्षकों के लिए स्टैण्डर्ड [सेन्टा स्तर 2 प्रमाणिकरण]	वरिष्ठ शिक्षक मान [सेन्टा स्तर 3 प्रमाणिकरण]
समग्र विकास पर आधारित विद्यार्थी केंद्रित मानसिकता	MS1. विद्यार्थी केन्द्रित मानसिकता	विद्यार्थी और विद्यार्थी पर पड़ने वाले प्रभाव को अपने निर्णयों और गतिविधियों का केन्द्र बनाना ।		
	MS1. समग्र विकास	बच्चों के बौद्धिक, शारीरिक, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक विकास के महत्व की सराहना करना ।		
	MS1. सामाजिक संदर्भ	बच्चे की शिक्षा में सामाजिक संदर्भ का समावेश करने के महत्व पर विश्वास करना ।		
विद्यार्थियों पर भरोसा	MS2. उत्कृष्टता के लिए प्रयास	हर छात्र के लिए उत्कृष्टता हेतु प्रयास करने के लिए उत्सुक हैं और विश्वास करते हैं कि हर छात्र उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके ।		
	MS2. सकारात्मक सुदृढ़ीकरण	सकारात्मक सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता में विश्वास करते हैं और सभी छात्रों के प्रति इसका प्रदर्शन करना ।		
	MS2. विविधता	शारीरिक, मानसिक, अधिगम संबंधी, आर्थिक एवं अन्य चुनौतियों वाले विद्यार्थियों सहित सभी विद्यार्थियों में विश्वास करना ।		
		भिन्न आवश्यकता वाले किसी विद्यार्थी के गैर-पृथक्करण में विश्वास करते हैं और उनके समावेश को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना ।		

[15] शिक्षकों के अनुभव स्तर चाहे जो भी हों उनसे ऐसी मनोभूमि की अपेक्षा की जाती है जो छात्रों के समग्र विकास के अनुकूल हो।

मनोभूमियाँ	पहलू	नए शिक्षकों या बन रहे शिक्षकों के लिए स्टैण्डर्ड [सेन्टा स्तर 1 प्रमाणिकरण]	अनुभवी शिक्षकों के लिए स्टैण्डर्ड [सेन्टा स्तर 2 प्रमाणिकरण]	वरिष्ठ शिक्षक मान [सेन्टा स्तर 3 प्रमाणिकरण]
माता-पिता एवं समुदाय की भागीदारी	MS3. संलग्नता	बच्चे के विकास के लिए माता-पिता और सामुदायिक संलग्नता के महत्व की सराहना करना और सम्मान करना ।		
पहल और प्रेरणा	MS4. अग्रसक्रियता (तत्परता)	प्रासंगिक गतिविधियों के लिए आगे आने (बढ़-चढ़कर कार्य करने) के लिए अग्रसक्रिय रहना। ।		
	MS4. प्रेरणा	शिक्षण-अधिगम क्षेत्रों एवं साथ ही साथ विद्यालय संगठन के क्षेत्र में कार्यों को पूरा करने के लिए ध्यान केंद्रित रखना ।		
	MS4. दृढ़ता	कठोरता दिखाते और विवरणों पर ध्यान केन्द्रित करना ।		
		विद्यार्थियों को कार्य के प्रति अपने दृष्टिकोण में कठोरता (सख्ती) बरतने के लिए प्रेरित करना ।		